दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 147
मुरादाबाद
(Thursday)
17 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी का जन्मदिनः काशी में 1077 बेटियों ने रचा

यूपीआई टैक्स वापस लीजिएः राहुल गांधी ने इंदिरा का नाम लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना, ट्रंप से क्यों जोड़ा?

खेलों का उत्सव, हाथ में तिरंगा लेकर बनाई मानव शृंखला

वाराणसी में पीएम मोदी के जन्मदिन को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। अलग-अलग स्थानों पर बुधवार को उत्सव मनाया गया। इसी क्रम में परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बालिका खिलाड़ियों का जुटान हुआ। छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लेकर मानव शृंखला बनाई। प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी के 77वें जन्मदिन पर बुधवार को परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में खेल प्रतिभाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। जन्मदिन समारोह में 1077 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की बालिका खिलाड़ियों के साथ विकास इंटर कॉलेज, परमानंदपुर की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बड़ी संख्या में बेटियों की मौजूदगी से पूरा स्टेडियम उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लेकर मानव शृंखला बनाई। साथ ही पीएम के कटआउट के साथ सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान बालिका खिलाड़ियों और छात्राओं में खासा उत्साह रहा। खेल मैदान से लेकर समारोह स्थल तक बेटियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम के समापन पर बालिकाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और सेल्फी लेकर इस यादगार अवसर को कैमरे में कैद किया। इसके बाद एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम के संयोजक हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष एवं विकास एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एके सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में कई प्रयास हुए हैं। इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए नए अवसर मिले हैं और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने कहा कि बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी देश के लिए सकारात्मक संकेत है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली खिलाड़ियों के साथ छात्राओं की सहभागिता से नई पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव बोले- यूसीसी भाजपा का सांप्रदायिक षड्यंत्र है, ये अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी है

देश में यूसीसी लागू करने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी की बात कर रही है वो उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इसे भाजपा का ध्यान भटकाने पर वाला मुद्दा करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी (समान नागरिक संहिता) की बात कर रही है उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। उन्होंने कहा कि पहले 15 लाख हर खाते में पहुंचाने और दो करोड़ नौकरी देने के पिछले वादों को भाजपा निभाए, उसके बाद नए जुमला लेकर आए।यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का भविष्य के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है। यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। इसलिए भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना ही एकमात्र उपाय है। सपा पीडीए को एकजुट करके यूपी से भाजपा सरकार का सफाया करने के संकल्पित है। लिए भी उसके पास सिर्फ सपा के समय के काम है। भाजपा जबसे सत्ता में आई है, महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों के आंकड़ों में यूपी अव्वल नंबर पर है।

पंचायत सहायकों को सीएम योगी की बड़ी सौगात, मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी, अब छह की जगह नौ हजार मिलेंगे

यूपी के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एलान किया कि अब पंचायत सहायकों को प्रधान और सचिव नहीं हटा सकेंगे। उन्हें डीएम के नेतृत्व में गठित कमेटी की जांच के बाद ही हटाया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को बड़ी सौगात दी है। उनके मानदेय में तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अभी पंचायत सहायकों को छह हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिसे बढ़ाकर नौ हजार रुपये किया जाएगा। इस तरह मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा भी मिलेगी।

पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें बुलाया। इसके बाद प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत सहायकों के हित में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।अभी पंचायत सहायकों का मानदेय राज्य वित्त आयोग की धनराशि से दिया जाता है। अब कैबिनेट से स्वीकृति लेकर डीबीटी की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके बाद नौ हजार रुपये का मानदेय सीधे पंचायत सहायकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसका लाभ प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को मिलेगा।

प्रधान-सचिव नहीं हटा सकेंगे पंचायत सहायक- पंचायत सहायकों की सेवा सुरक्षा को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया है। अब ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अपने स्तर से पंचायत सहायक को नहीं हटा सकेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी। किसी पंचायत सहायक को हटाने का फैसला यही कमेटी कर सकेगी।

आंदोलन के मुकदमे होंगे वापस-आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। इस दौरान कार्रवाई कर जिन पंचायत सहायकों को हटाया गया है, उन्हें दोबारा बहाल किया जाएगा।महिलाओं को मातृत्व अवकाश, कैशलेस इलाज-महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को उपचार के लिए कैशलेस सुविधा का लाभ भी दिया जाएगा।

मंत्री से वार्ता के बाद धरना समाप्त-अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे पंचायत सहायकों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों से पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बातचीत की। प्रतिनिधियों को बुलाकर उनके साथ वार्ता की गई। इसके बाद पंचायत सहायकों के प्रतिनिधि मंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्तर पर लिए गए फैसलों की जानकारी मिलने के बाद पंचायत सहायकों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

समान नागरिक संहिता पर सांसद संजय सिंह बोले- भाजपा को हर कुछ समय में 'झगड़े' की जरूरत

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपाइयों को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। जैसे दौरे कुछ-कुछ समय पर आते हैं, वैसे ही भाजपा को लगता है कि देश में कोई झगड़ा नहीं हो रहा है तो नया मुद्दा खड़ा कर दिया जाए।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार रात अपने शहर स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत में समान नागरिक संहिता को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। जैसे दौरे कुछ-कुछ समय पर आते हैं, वैसे ही भाजपा को लगता है कि देश में कोई झगड़ा नहीं हो रहा है तो नया मुद्दा खड़ा कर दिया जाए। , 'भारतीय झगड़ा पार्टी' बताते हुए आरोप लगाया कि वह देश को बर्बाद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों में जनता को उलझाने से उसकी तरक्की नहीं होगी।उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों में विवाह और धार्मिक परंपराएं अलग हैं। समान कानून लागू होने से इन मान्यताओं पर असर पड़ेगा। संविधान में अलग-अलग धर्मों की मान्यताओं और परंपराओं की स्वतंत्रता की गारंटी दी गई है।

यूपीआई टैक्स वापस लीजिएः राहुल गांधी ने इंदिरा का नाम लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना, ट्रंप से क्यों जोड़ा?

यूपीआई से 2000 रुपये से अधिक के कारोबारी भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने के सरकार के फैसले पर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के सामने झुककर अमेरिका को बड़ी रकम दे रहे हैं। कांग्रेस ने भी इसे अमेरिकी दबाव से जोड़ा है। आखिर यूपीआई शुल्क लगाने के फैसले की असली वजह क्या है और क्या सरकार इसे वापस लेगी? राहुल गांधी ने इसे मामले को ट्रंप से क्यों जोड़ा?यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के सरकार के फैसले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने और अमेरिका को बड़ी रकम देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने सरकार से यूपीआई पर लगाए गए शुल्क को तुरंत वापस लेने की मांग की। राहुल गांधी ने अपने बयान में सरकार की इस नीति को आम भारतीयों से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि यूपीआई जैसी रोजमर्रा की डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क लगाने की जरूरत क्यों पड़ी।

यूपीआई पर कितना शुल्क लगाया गया है? सरकार ने मंगलवार को यूपीआई के जरिए कारोबारियों को किए जाने वाले 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है। हालांकि, इसमें आम लोगों के बीच होने वाले एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के लेनदेन को शुल्क से बाहर रखा गया है। इसी तरह छोटे भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। यानी सरकार के फैसले का दायरा मुख्य रूप से कारोबारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान तक सीमित है। इसके बावजूद कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर सरकार पर हमला तेज कर दिया है।इंदिरा गांधी का लेकर क्या बोले राहुल गांधी? ,राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अमेरिका के सामने झुकना बंद करना चाहिए और मजबूती से खड़ा होना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि जब उनसे पूछा गया था कि वह बाएं झुकती हैं या दाएं, तो उनका जवाब था कि वह न बाएं झुकती हैं और न दाएं, बल्कि सीधी खड़ी रहती हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के रुख की तुलना करते हुए कहा कि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने पूरी तरह झुकने का फैसला कर लिया है।कांग्रेस ने यूपीआई शुल्क को अमेरिका से क्यों जोड़ा? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यूपीआई पर शुल्क लगाकर सरकार हर भारतीय पर टैक्स लगा रही है और अमेरिका को बड़ी रकम दे रही है। कांग्रेस ने भी सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर अब तक लागू शून्य एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट को खत्म करने और भुगतान पर शुल्क लगाने का फैसला किया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए %एनओटीए% का नया अर्थ भी बताया और इसे नरेंद्र का लगातार ट्रंप तुष्टीकरण बताया। ये कांग्रेस के आरोप हैं और दिए गए इनपुट में सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। राहुल गांधी ने सरकार से क्या मांग की? राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से यूपीआई पर लगाया गया शुल्क तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार को यूपीआई टैक्स वापस लेना चाहिए। उनका आरोप है कि इस फैसले से आम भारतीयों पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है और इसके पीछे अमेरिका को बड़ी रकम देने की नीति काम कर रही है। दूसरी ओर, सरकार के फैसले में स्पष्ट किया गया है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले रोजमर्रा के लेनदेन और छोटे भुगतान को किसी शुल्क के दायरे में नहीं रखा गया है।राहुल गांधी का यह हमला ऐसे समय में आया है जब यूपीआई देश में डिजिटल भुगतान का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। सरकार के फैसले के मुताबिक 2,000 रुपये से अधिक के कारोबारी यूपीआई भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लागू होगा, जबकि आम व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले लेनदेन और छोटे भुगतान इससे बाहर रहेंगे। कांग्रेस इस फैसले को अमेरिका और ट्रंप के साथ भारत के संबंधों से जोड़कर देख रही है। राहुल गांधी ने इसी आधार पर प्रधानमंत्री से फैसला वापस लेने की मांग की है।

नगीना के सांसद चंद्रशेखर का बड़ा आरोप- मेरी हत्या की साजिश रची गई, उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए

सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि मैं अपने विरोधियों से भी कहना चाहता हूं कि मौत तो एक दिन आनी है, मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता। अगर मेरी मौत आपके हाथों लिखी होगी तो वह भी हो जाएगी, लेकिन अगर आप अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हुए और मेरे लोगों ने मुझे ताकत, हिम्मत और मेरा साथ दे दिया, तो याद रखिए, आप जैसे गुंडों को उत्तर प्रदेश से पलायन करना पड़ेगा।यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी हत्या की साजिश रची गई। उन्होंने मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एक्स पर उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि एक फार्म हाउस में मेरी हत्या करने का षड्यंत्र रचा गया है। मैं यह बात बहुत जिम्मेदारी से कह रहा हूं। मेरे पास जो सूचनाएं और स्रोत हैं, वे गलत नहीं हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए और हत्या की साजिश से लेकर बाराबंकी हिंसा में शामिल लोगों की भूमिका सामने लाई जाए। मैं अपने विरोधियों से भी कहना चाहता हूं-मौत तो एक दिन आनी है, मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता। अगर मेरी मौत आपके हाथों लिखी होगी तो वह भी हो जाएगी, लेकिन अगर आप अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हुए और मेरे लोगों ने मुझे ताकत, हिम्मत और मेरा साथ दे दिया, तो याद रखिए, आप जैसे गुंडों को उत्तर प्रदेश से पलायन करना पड़ेगा।आज सवाल सिर्फ मेरी सुरक्षा का नहीं है। इतने बेखौफ हों, तो सोचिए इस प्रदेश में दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों की सुरक्षा और न्याय की स्थिति क्या होगी?मैं अपने साथियों से भी कहना चाहता हूं-डरने की जरूरत नहीं है। संघर्ष जारी रहेगा। मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता।

संपादकीय Editorial

Will BRICS calm the war?

Amidst the US-Iran and Russia-Ukraine wars, the 18th BRICS summit is significant not just because it can transform wars into peace and stability. The BRICS summit is being held in New Delhi on September 12-13. India is the chair and host this time. The wars have created food and energy crises, disrupted global supply chains, devastated global economies, deepened mutual geostrategic problems, rendered international diplomacy and wartime laws meaningless, and US President Trump remains intent on imposing arbitrary tariffs and sanctions. The BRICS platform is significant because India, Russia, China, and Brazil are its founding members. South Africa joined later, and now 11 countries are full-time members and 10 are partner countries. They represent 28% of the world's nominal GDP and over 50% of the population. Economic superpowers like China and India are the architects of BRICS, and the world recognizes Russia's diplomatic, strategic, and technological strength. What could be more diplomatic news than the meeting of Prime Minister Modi, President Putin, and President Xi Jinping? BRICS countries may sign agreements on mutual cooperation, trade, health and education, military-cyber cooperation, energy, and space. But most importantly, for the first time, the BRICS Commerce and Trade Ministers have agreed on the sharing and trade of digital services. The final agreement will be reached at the summit. India ranks fifth in the digital services sector, behind the United States, Britain, Ireland, and Germany. China is sixth. India's share of digital service exports among BRICS countries is approximately 48%, which is extremely significant. Services through the internet, apps, email, video calls, and digital platforms will be shared across all BRICS countries. By 2024, India will have provided services worth approximately ?24 lakh crore ($269 billion) to the world. Now, with the BRICS agreement, in addition to IT and business services, financial, insurance, research, consulting, engineering, and education-healthcare services can also be provided digitally. According to NITI Aayog, India's digital services trade with foreign countries has nearly tripled between 2015 and 2024. This includes software exports, IT, and BPO services. However, in the current situation, war is the most sensitive, destructive, and inevitable issue, as Iran is also a BRICS member country. President Masoud Pezeshkian is also visiting.Clearly, they will engage in discussions at many levels! Russian President Putin and President Trump spoke for about an hour by phone. On Friday, September 11th, Indian Prime Minister Modi and President Putin will once again hold bilateral talks. It is certain that war will be discussed, as India is a supporter of peace. Iran and Ukraine have suffered widespread destruction and devastation, and the war is still ongoing. President Trump has been assured that BRICS is not an anti-US and anti-dollar platform. There is no agenda to establish an alternative currency. Even Kremlin spokespersons have made this clear. Russia and Brazil have insisted that each BRICS country should have its own currency, but establishing an alternative currency and securing international recognition is not easy. It's a matter of global order. While BRICS countries can transact in their own currencies on a bilateral basis, India and Russia, China and Russia, and China and Iran are already trading in their own currencies. As for war, the United States and Russia-China could take the initiative. Russia and China are supplying Iran with weapons, intelligence, and satellite data. As a result, Iran is successfully launching precision strikes on US military bases in the Gulf countries. On the other hand, the United States and Europe incited Ukraine.

India-China Relations at the BRICS Summit

In this context, Xi Jinping's visit to India after seven years, his talks with Modi, the reduction in Chinese military deployments along the border, and the activation of various dialogue mechanisms indicate that both countries are seeking a new stability in their relations, but this is not appropriate to consider this a final breakthrough. India's global role and diplomatic approach were key at the BRICS summit. The Modi-Xi meeting signaled stability in India-China relations. BRICS is an important platform for global governance reform and multilateral cooperation. The 18th BRICS summit, held under India's chairmanship in New Delhi, was not just a multilateral event; it also served as an important indicator of India's growing role and diplomatic approach in the changing global order. Issues such as reform of global governance, greater participation of the Global South, the growing strategic importance of technology and critical minerals, and strengthening supply chains were prominent at the summit. However, an important aspect of this summit for India was the stability in relations with China. During the summit, India emphasized that while the Global South faces the greatest challenges in global crises, its role in global decision-making remains relatively limited. In this context, the unanimous adoption of the New Delhi Declaration is also significant. The expanded BRICS comprises countries with political, economic, and strategic differences. India and China have border disputes, Russia and the West face serious conflict, and Iran's relations with Western countries are strained. Despite this, BRICS countries were able to reach consensus on issues such as global governance, development, technology, and multilateral cooperation. This demonstrates that BRICS has the potential to become a practical platform for cooperation between diverse powers, rather than a platform for opposition to a single ideology or a particular country.

The new developments in India-China relations should also be noted. Relations between the two countries had deteriorated significantly following the military clash in eastern Ladakh in 2020. Xi Jinping's visit to India after seven years and his talks with Prime Minister Modi are significant as both countries seek to prevent the relationship from spiraling into a full-blown confrontation. During the meeting between Modi and Xi, both leaders emphasized a long-term and strategic perspective on the relationship.

India made it clear that peace and stability on the border are essential for the progress of the comprehensive bilateral relationship. China also emphasized the need to view India-China relations from a long-term perspective and cooperate on shared development. This language, while not a major breakthrough in itself, certainly signals a return to dialogue after a long period of tension. It would be more appropriate to describe the current phase of India-China relations as "stabilization" than "reconciliation." Many differences remain between the two countries regarding the Line of Actual Control. Stabilization in relations with China does not mean India should reduce its security preparedness. India's strategy should be to maintain a strong military posture on the border while maintaining political and diplomatic dialogue.

Some may interpret the images of Prime Minister Modi, Xi Jinping, and Russian President Vladimir Putin at BRICS as a sign of a new strategic triangle of India-Russia-China, but such a conclusion would be premature. The interests and strategic priorities of the three countries differ significantly. India also has relations with the United States. China is India's major strategic competitor, and Russia's increasing dependence on China has altered the old nature of the India-Russia-China triangle. BRICS is a platform where countries have the opportunity to cooperate on common issues without resolving all their bilateral differences.India and China can compete on the border, but they can also cooperate on global governance reform, development, climate change, technology, and the interests of the Global South. This is the true power of multilateral diplomacy. This flexibility is particularly important for India's foreign policy. India can strengthen its strategic partnership with the United States, maintain traditional ties with Russia, expand contacts with Iran and West Asian countries, and simultaneously strive for stable relations with China.

The economic aspect of India-China relations is no less important. Trade between the two countries has grown significantly, but for India, the trade deficit, market access, technological dependence, and the security of critical supply chains are serious concerns. It should not be forgotten that improved political relations will be sustainable only if there is greater balance and transparency in economic relations. India should have no problem expanding economic engagement with China, but it must also continue to build alternative supply chains while avoiding excessive dependence in critical sectors. Differences between India and China will persist on some issues. The real challenge is to balance these differences so that they do not escalate into a military crisis. In this regard, Xi Jinping's visit to India after seven years, his talks with Modi, the reduction in Chinese military deployments along the border, and the activation of various dialogue mechanisms indicate that both countries are seeking a new stability in their relations, but this is not appropriate to consider this a final breakthrough. If, in the coming months, India and China manage to control border tensions, continue military and diplomatic dialogue, engage in practical discussions on economic issues, and maintain regular leadership-level contact, If they do so, competition between the two countries could become more predictable. This situation would also be beneficial for India, its economic development, national security, and global role. In the changing global order, there could be no better situation for India than this.

Skills will determine the future

A degree tells the world what you've studied, while skills reflect what you can do with that education. A 40% unemployment rate among graduates, a degree-skills gap. In the AI ??age, knowledge is rapidly becoming obsolete. Continuous learning and adaptability are essential skills for the future. Go to any job fair in India today and you'll see two types of young people: one with a file full of degrees and certificates. The other, perhaps with fewer degrees, can build a website, analyze data, repair a machine, or use AI tools to complete hours-long tasks in minutes. For companies today, the question of what you've studied is obsolete. The real question now is what you can practically accomplish. While the expansion of higher education in India has been a major achievement, the gap between degrees and actual employment is constantly widening. According to Azim Premji University's State of Working India 2026 report, the unemployment rate among graduates aged 15 to 25 is close to 40 percent. When millions of young people struggle to find meaningful work even after earning degrees, we must consider whether we are accurately assessing the success of education.

A degree tells the world what you've studied, while skills demonstrate what you can do with that education. The root of this problem isn't just unemployment, but the extraordinary rate at which knowledge becomes obsolete. A generation ago, technology remained relevant for years, but in this era of AI, new tools and capabilities emerge every few weeks. Consequently, the knowledge students acquire at the beginning of a four-year degree is outdated by the time they graduate. A World Economic Forum report also warns that approximately 39 percent of the workforce's core skills will change by the end of this decade. Therefore, the greatest skill today is not mastering a single software or language, but rather the ability to rapidly learn new things, unlearn old things, and constantly update oneself.

The biggest challenge facing our education system is that technology is evolving at a rate of months, while curriculum changes take years. AI literacy alone will not be enough; we must prepare students and institutions for a future where AI is reshaping every sector, such as healthcare, education, finance, and manufacturing. Today, every profession is becoming hybrid. A doctor, engineer, teacher, or journalist must possess knowledge of their core subject as well as an understanding of digital and AI tools. In this changing era, Indian parents must also change their mindset. Instead of simply asking children what degree they are pursuing, they must also ask what practical achievements they can achieve.

Instead of viewing AI solely as a threat to employment, we must learn to use it as a tool to enhance our productivity. Additionally, as machines become more intelligent, human abilities such as communication, leadership, creativity, empathy, and ethics will become even more valuable. India'smic boon to the country if equipped with practical skills and technology. The future belongs not to those who accumulate degrees, but to those who learn quickly and adapt. A degree may open the first door, but your ability to continuously learn will determine your future.

स्ट्रेचर पर मरीज-सिस्टम बीमार: मुरादाबाद के जिला अस्पताल में एक बेड पर दो लोग भर्ती, पांच दिन से यही हाल

मुरादाबाद जिला अस्पताल में मरीजों को बेड की समस्या से जूझना पड़ना पड़ रहा है। बुखार और उल्टी-दस्त से पीड़ितों को बेड नहीं मिलने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है।स्ट्रेचर पर मरीज लेटी हुई हैं... सामने मेडिसिन वार्ड का दरवाजा है लेकिन अंदर जाने के लिए बेड खाली नहीं है। परिजन कभी वार्ड की ओर देखते हैं तो कभी अस्पतालकर्मियों से बेड के बारे में पूछते हैं। मंगलवार को जिला अस्पताल में कुछ ऐसा ही नजारा रहा। बुखार और उल्टी-दस्त से परेशान पीतलबस्ती निवासी रजनी को लेकर पहुंचे परिजन काफी देर तक वार्ड के बाहर बेड का इंतजार करते रहे। जगह नहीं मिली तो मरीज को वापस ले गए। रजनी के पति ने कहा कि जमीन पर इलाज करवा लेंगे, लेकिन दूसरे मरीज के साथ एक ही बेड पर भर्ती नहीं कराएंगे। यह स्थिति अकेले रजनी की नहीं रही। कुछ देर बाद नागफनी निवासी इसरत जहां (45) भी बुखार की परेशानी में अस्पताल पहुंचीं। परिजन उन्हें स्ट्रेचर पर लेकर वार्ड के आसपास बेड तलाशते रहे। अलग बेड नहीं मिला तो मजबूरी में उन्हें दूसरी महिला मरीज के साथ एक ही बेड पर भर्ती कराना पड़ा। बेड की समस्या के बीच मंगलवार को जिला अस्पताल की लिफ्ट भी बंद रही। इससे बुजुर्ग और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। वार्ड तक पहुंचने के लिए मरीजों और तीमारदारों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ा। स्ट्रेचर और मरीजों को ऊपर ले जाने में भी परिजनों को परेशानी हुई।एक बेड पर दो मरीज, पांच दिन से यही हाल- जिला अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में पिछले पांच दिन से बेड की यही स्थिति बनी हुई है। बुखार, वायरल संक्रमण और अन्य बीमारियों के मरीज लगातार पहुंच रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने से उपलब्ध बेड कम पड़ गए हैं। स्थिति यह है कि एक ही बेड पर दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार जिला अस्पताल में 220 बेड स्वीकृत हैं, जबकि मरीजों की जरूरत को देखते हुए 276 बेड संचालित किए जा रहे हैं। इसके बावजूद मंगलवार को भर्ती मरीजों की संख्या 280 से अधिक पहुंच गई।वहीं स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए आरक्षित 10 में से नौ बेड खाली हैं इसलिए अस्पताल में 13 बेड पर दो-दो मरीज भर्ती हैं। ऐसे में नए मरीजों के लिए बेड उपलब्ध कराना अस्पताल के सामने चुनौती बना हुआ है।महिला अस्पताल से मांगे 20 बेड, दो वार्ड तैयार होंगे बेड का संकट दूर करने के लिए अस्पताल प्रशासन ने महिला अस्पताल से 20 अतिरिक्त बेड मांगे हैं। चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि महिला अस्पताल का परिसर जिला अस्पताल से जुड़ा हुआ है। फर्स्ट फ्लोर पर 20 बेड उपलब्ध कराने के लिए महिला अस्पताल प्रबंधन से समन्वय किया गया है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक बुधवार तक मरीजों के लिए दो नए वार्ड तैयार हो जाएंगे। इनके शुरू होने के बाद अतिरिक्त मरीजों को भर्ती किया जा सकेगा और एक बेड पर दो मरीजों को रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।अस्पताल से किसी मरीज को लौटाया नहीं जा रहा है। हालांकि सभी बेड फुल हैं। महिला अस्पताल से समन्वय किया गया है। जल्द ही 20 बेड और मिल जाएंगे। बेड़ बढ़ाने के लिए हम पहले ही निदेशालय को प्रस्ताव भेज चुके हैं। -डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय, एसआईसी48 घंटे में नहीं मिला स्वाइन फ्लू का नया मरीज-मुरादाबाद जिले में स्वाइन फ्लू के नए मरीज मिलने का सिलसिला पिछले 48 घंटे से थमा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक जिले में स्वाइन फ्लू के 36 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। पिछले दो दिनों में कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित मरीजों की निगरानी की जा रही है।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में सामने आए स्वाइन फ्लू के अधिकांश मरीजों की जांच निजी अस्पतालों और निजी पैथोलॉजी केंद्रों में हुई है। वहीं मंडलीय जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के लक्षण वाले करीब दो दर्जन मरीजों की जांच कराई गई लेकिन इनमें से किसी की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई।

कागजों में योजनाएं: केंद्र की छह योजनाओं को शुरू करने के लिए बजट नहीं, दिल्ली दरियादिली दिखाए तो काम हो शुरू

मुरादाबाद में आधा दर्जन से अधिक केंद्रीय योजनाएं लक्ष्य और बजट के अभाव में ठप पड़ी हैं। सांसद आदर्श ग्राम योजना में करीब तीन साल से बजट नहीं मिला और नए गांवों का चयन भी नहीं हुआ। कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वच्छ वायु, आदर्श गांव और उज्ज्वला योजना में भी 2026-27 के लिए अब तक लक्ष्य निर्धारित नहीं हुए हैं।मुरादाबाद जिले में विकास की केंद्रीय योजनाएं कागजों में तो जिंदा हैं, लेकिन बजट और तस्वीर बदलने के लिए चल रहीं आधा दर्जन से अधिक है। आधा वित्तीय वर्ष गुजरने को है, पर अभी तक आधा दर्जन लक्ष्य बिना इन योजनाओं का जमीन पर दम निकलने लगा बजट जारी किया है। ऐसे में ये योजनाएं अघोषित रूप से बंद योजनाओं का न तो लक्ष्य निर्धारित हो सका है और न ही लिए सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू की गई थी। इसके तहत पड़ी हैं। गांवों में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के सुविधाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जानी थी, लेकिन चयनित गांवों में सड़क, नाली, पेयजल समेत अन्य है।करीब तीन साल से बजट भी जारी नहीं किया गया। इस जिले को 2026-27 के लिए कोई लक्ष्य नहीं मिला गए थे। इसके बाद नए गांवों का चयन नहीं हुआ। रोजगार योजना के तहत वर्ष 2020-21 में 44 गांव चयनित किए कमोबेश ऐसी ही है।वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं की स्थिति भी कोई लक्ष्य नहीं मिला। पिछले वित्तीय वर्ष में भी कोई लक्ष्य कौशल विकास योजना के तहत जिले को प्रशिक्षण का यही हाल है। जिले के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया।इसके अलावा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का कमोबेश यही हाल है। डीएसओ दीपक वार्ष्णेय ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए अभी शासन से कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। छह महीने बचे, कब आएगा बजट, कब मिलेगा लक्ष्य- ,केंद्र सरकार की इन योजनाओं की स्थिति ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक कई योजनाओं के लक्ष्य वित्तीय वर्ष शुरू होने के बाद मई-जून में तय होते हैं। इसके बाद बजट जारी किया जाता है। ऐसे में फिलहाल लक्ष्य और बजट न मिलने को विभाग अंतिम स्थिति नहीं मान रहा है। आईटीआई के प्रधानाचार्य एसके जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए अभी कोई लक्ष्य नहीं मिला है। ऑनलाइन आवेदन के लिए नहीं खुला पोर्टल- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2026-27 के तहत लाभार्थियों का चयन नहीं हो सका है। ऑनलाइन आवेदन के लिए अभी तक शासन से विभागीय पोर्टल ही नहीं खोला गया है। लक्ष्य और बजट के इंतजार में ये योजनाएं- सांसद आदर्श ग्राम योजना (वर्ष 2026-27) के तहत ग्राम पंचायतों के चयन के लिए शासन स्तर से विभाग को अभी कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (वर्ष 2026-27) के लिए कोई लक्ष्य नहीं मिला है। 2025-26 में भी कोई लक्ष्य नहीं मिला था। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (वर्ष 226-27) के लिए अभी तक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (वर्ष 2026-27) के तहत प्रदूषण नियंत्रण विभाग को कोई धनराशि नहीं मिली। प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना (वर्ष 2026-27) के लिए नए गांव चयनित नहीं किए गए। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (वर्ष 2026-27) के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया।सांसद आदर्श ग्राम योजना के लिए गांवों के चयन के लिए शासन स्तर से कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। तीन साल से बजट भी जारी नहीं हुआ है। - श्वेतांग पांडेय, परियोजना निदेशक (डीआरडीए)

विकास की बात: 228 करोड़ रुपये से बदलेगा मुरादाबाद का सीवेज सिस्टम, सीधे रामगंगा में नहीं जाएगा गंदा पानी

मुरादाबाद में सीवेज निस्तारण के लिए 228 करोड़ रुपये की नमामि गंगे परियोजना जमीन पर उतर रही है। जोन-3 और जोन-4 के नालों को जोड़कर डायवर्जन से बुद्धि विहार सेक्टर-9 स्थित 15 एमएलडी एसटीपी तक सीवेज पहुंचाया जाएगा। इससे नालों का गंदा पानी सीधे रामगंगा में जाने से रोकने में मदद मिलेगी। मुरादाबाद में सीवेज निस्तारण की पुरानी समस्या को दूर करने के लिए 228 करोड़ की बड़ी परियोजना अब जमीन पर उतर रही है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत जोन-3 और जोन-4 के नालों को जोड़कर और डायवर्जन के साथ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और उससे जुड़े दूसरे काम किए जाएंगे। परियोजना का असर केवल एक एसटीपी बनने तक सीमित नहीं रहेगा।इसका मुख्य उद्देश्य शहर के अलग-अलग हिस्सों से निकलने वाले नालों के पानी को नदी में सीधे गिरने से पहले रोकना है। इसके लिए जोन-3 और जोन-4 के नालों को चिह्नित कर उन्हें जोड़ा जाएगा। नालों के पानी को डायवर्ट कर उपचार की व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इससे बरसात और सामान्य दिनों में नालों के जरिये रामगंगा तक पहुंचने वाले गंदे पानी को नियंत्रित करने का रास्ता बनेगा।परियोजना का अहम हिस्सा बुद्धि विहार सेक्टर-9 में 15 एमएलडी क्षमता का एसटीपी है। यानी प्लांट प्रतिदिन 1.5 करोड़ लीटर तक सीवेज के उपचार की क्षमता वाला होगा। इसके साथ संबंधित इंटरसेप्शन-डायवर्जन व्यवस्था और सहायक काम भी परियोजना में शामिल हैं।शहर के लिए इसका महत्व इसलिए भी है कि मौजूदा समय में अलग-अलग नालों का पानी कई स्थानों से होकर नदी की ओर पहुंचता है। नालों को प्लांट से जोड़ने के बाद सीवेज को उपचारित करने की व्यवस्था एक निर्धारित प्रणाली के तहत होगी। इससे नदी में प्रदूषित पानी की सीधी निकासी रोकने में मदद मिलेगी।15 साल तक संचालन-रखरखाव की शर्त-परियोजना केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। इसमें प्लांट के संचालन और रखरखाव की व्यवस्था भी रखी गई है। 15 वर्ष तक संचालन और रखरखाव का प्रावधान होने से प्लांट बनने के बाद उसके संचालन की जिम्मेदारी भी परियोजना का हिस्सा रहेगी। परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी आधारित पीपीपी मॉडल पर तैयार किया गया है।परियोजना पूरी होने पर इसका सीधा असर सीवेज प्रबंधन, नदी प्रदूषण नियंत्रण और शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ने की उम्मीद है। नालों के पानी को अलग-अलग जगहों पर रोककर उपचारित करने की व्यवस्था से रामगंगा में प्रदूषित पानी की सीधी आमद कम होगी। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि इस परियोजना का अगला महत्वपूर्ण चरण कार्यादेश जारी होने के बाद शुरू होगा। इसके बाद नालों की पहचान, इंटरसेप्शन-डायवर्जन नेटवर्क, एसटीपी निर्माण और संबंधित सहायक ढांचे का काम आगे बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

जापानी बुखार का कहर, 20 दिन तक आईसीयू में जिंदगी-मौत से जूझने के बाद 3 साल के मासूम ने तोड़ा दम

20 दिन तक वेंटिलेटर पर लड़ी जिंदगी की जंग, जापानी बुखार ने ली खजुरिया कलां के मासूम की जान रामपुर के बिलासपुर में जापानी बुखार (इंसेफेलाइटिस) के कहर से 3 साल के मासूम की मौत हो गई। बच्चा 20 दिन से हल्द्वानी के अस्पताल में भर्ती था।जनपद में जापानी बुखार (जापानी इंसेफेलाइटिस) का जानलेवा कहर देखने को मिला है। बिलासपुर तहसील क्षेत्र में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने से एक तीन वर्षीय मासूम की दुखद मौत हो गई। बच्चा पिछले 20 दिनों से अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा था, लेकिन आखिरकार वह जिंदगी की यह जंग हार गया। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में चल रहा था इलाज- जानकारी के अनुसार, बिलासपुर तहसील क्षेत्र के गांव खजुरिया कलां निवासी नाहिद खां के तीन वर्षीय बेटे अबुजर को कुछ समय पहले तेज बुखार और अन्य लक्षण दिखाई दिए थे। हालत बिगड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल में ले जाया गया। जांच के दौरान मासूम को जापानी इंसेफेलाइटिस (जापानी बुखार) होने की पुष्टि हुई।संक्रमण बेहद गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे तुरंत आईसीयू (ढ्ढष्ट) में भर्ती कर लिया और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर था। 20 दिन की जद्दोजहद के बाद हार गया जिंदगी-,मासूम अबुजर लगभग 20 दिनों तक वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन मंगलवार की देर शाम इलाज के दौरान मासूम ने हमेशा के लिए अपनी आंखें मूंद लीं। अस्पताल में मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और परिजनों में कोहराम मच गया। ,मंगलवार देर रात गमगीन माहौल में बच्चे का शव गांव खजुरिया कलां लाया गया, जहां परिजनों ने नम आंखों के साथ उसे सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। मासूम की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और स्वास्थ्य विभाग को लेकर भी लोग सतर्क हो गए हैं।

रामसराय भंखरी के जंगल में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, देखने के लिए उमड़ी भीड़

मुरादाबाद के कांठ तहसील क्षेत्र के रामसराय भंखरी में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया है।

ग्राम राम सराय पायंदापुर के जंगल रामसराय भंखरी में लगभग 6 दिन पूर्व लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया है। वन विभाग ने टीम के साथ पहुंचकर तेंदुए को कब्जे में लिया और डियर पार्क पहुंचा दिया। मुरादाबाद जिले के कांठ तहसील क्षेत्र के ग्राम रामसराय पायंदापुर में प्रतिदिन तेंदुआ देखे जाने की शिकायत मिल रही थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग ने पवनदीप पुत्र निर्मल सिंह के डेरे के पास लगभग दो सप्ताह पहले एक पिंजरा लगाया था। जिसमें तेंदुआ नहीं फंसा। इसके बाद पवनदीप के कहने पर ही वन विभाग ने वहां से पिंजरा हटाकर समीप ही आम के बाग में एक पिंजरा लगा दिया। रात्रि किसी समय तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बुधवार सुबह लगभग 6-00 बजे गांव के ही पवनदीप, अमनदीप आदि ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदुआ फंसा देखा। तेंदुए को देखे जाने के लिए काफी भीड़ इकट्ठा होने लगी।ग्रामीणों की सूचना पर डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह टीम के साथ लगभग 7-00 बजे गांव पहुंच गए। तेंदुए को डियर पार्क में अस्थाई रूप से संरक्षित किया गया है। डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि इसी स्थान पर पिछले महीने 24 अगस्त को एक और तेंदुआ पकड़ा जा चुका है। दो दिन पूर्व जंगल में चारा लेने गई ग्राम भरतपुर निवासी निर्वेश देवी पत्नी विजयपाल सिंह पर हमला कर घायल कर दिया था। डिप्टी वन रेंजर ने बताया कि ग्राम भरतपुर में दो पिंजरे लगाए जा रहे हैं।. उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए जागरूक किया।। कांठ तहसील की सीमावर्ती ठाकुरद्वारा क्षेत्र में 14 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। तेंदुए की दहशत से क्षेत्र में किसान जंगल जाते हुए भी भयभीत हैं। मुख्य रोड पर भी तेंदुए सड़क क्रॉस करते हुए देखे जाने पर भी क्षेत्रीय नागरिकों में दहशत व्याप्त है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

टायर फटने से चावल लदा ट्रक हाईवे पर पलटा, चालक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 बजे धनेटा फाटक के पास चावल से भरा ट्रक अचानक टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया और हाईवे पर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक ट्रक के अंदर फंस गया। जानकारी के अनुसार चावल से लदा ट्रक संख्या HRz8D9205 रामपुर से बरेली की ओर जा रहा था। धनेटा फाटक के पास बल्लिया गाँव के पुल पर चढ़ते समय अचानक ट्रक का टायर फट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक डिवाइडर पर चढ़ने के बाद हाईवे पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।ट्रक में फंसे चालक गुल्लू पुत्र सफीक निवासी नाडा, जिला शामली को मौके पर मौजूद लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। घायल चालक को उपचार के लिए राजश्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक के हाईवे पर पलटने से एक ओर का मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया। हालांकि साइड रोड खुला होने के कारण यातायात पूरी तरह ठप नहीं हुआ और वाहन निकलते रहे। सूचना के बाद हाईवे की क्रेन मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद पलटे ट्रक को हटाकर मार्ग को खाली कराया गया। इसके बाद हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका।

अग्निवीर भर्ती की दौड़ में पांच युवक गिरे ; कोई बेहोश तो किसी का मुड़ा पैर ,जिला अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। होमगार्ड और अग्निवीर सेना भर्ती की दौड़ बुधवार को पांच युवकों के लिए मुश्किल बन गई। शहर में अलग-अलग स्थानों पर चल रही भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान चार अभ्यर्थी दौड़ते-दौड़ते बेहोश होकर गिर पड़े, जबकि एक युवक पैर मुड़ने से घायल हो गया। ग्राउंड पर मौजूद एंबुलेंस और पुलिसकर्मियों ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।डोरीलाल स्टेडियम में चल रही होमगार्ड भर्ती की दौड़ में शाहजहांपुर के अल्हागंज कस्बा निवासी 27 वर्षीय आलोक पाल हिस्सा ले रहे थे। बताया गया कि 11वें राउंड के दौरान अचानक उनकी हालत बिगड़ गई और वह मैदान में गिरकर बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें संभाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। शाहजहांपुर के जलालाबाद निवासी 29 वर्षीय संजू भी होमगार्ड भर्ती की दौड़ में शामिल थे। आठवें राउंड में दौड़ते समय अचानक उनका पैर मुड़ गया। इससे वह मैदान पर गिर पड़े और पैर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

मनोरमा की बीमारी से मौत की कहानी निकली संदिग्ध, पोस्टमॉर्टम में गला दबाने की पुष्टि

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के परतासपुर गांव में महिला मनोरमा की संदिग्ध मौत ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद नया मोड़ ले लिया है। पति नीरज ने पत्नी के लंबे समय से बीमार होने और दवा खाने के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही थी, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच हत्या के एंगल से शुरू कर दी है। परतासपुर निवासी नीरज की पत्नी मनोरमा की मंगलवार को अचानक मौत हो गई थी। नीरज के मुताबिक मनोरमा काफी समय से बीमार थी और उसका इलाज एक झोलाछाप से कराया जा रहा था। मंगलवार को दवा देने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और कुछ देर बाद मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिस्थितियां संदिग्ध मिलने पर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने खोल दिया राज- बुधवार को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि होने के बाद बीमारी से मौत की बताई जा रही कहानी पर सवाल खड़े हो गए। पुलिस अब मौत की असली वजह और घटना में शामिल व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रही है। बताया गया कि नीरज और मनोरमा की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। मनोरमा मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में 23 सितंबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला, 50 कंपनियां देंगी नौकरी के अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के संकल्प से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत बरेली में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। सेवायोजन विभाग के निर्देशन में 23 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, पीलीभीत रोड, बरेली में रोजगार मेला लगेगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की करीब 50 प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। इनमें बरेली के विभिन्न महाविद्यालयों, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, मेडिकल, पैरामेडिकल एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से जुड़े बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 17 सितंबर 2026 से प्री-जॉब फेयर करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। इसमें सेवायोजन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण साझेदार युवाओं को रोजगार मेले की तैयारी और करियर संबंधी मार्गदर्शन देंगे। ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल और नेशनल करियर सर्विस (NCS) पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन करना होगा। विभाग ने जनपद के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं से रोजगार मेले में प्रतिभाग कर अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी तौसीफ अहमद का हुआ स्वागत -सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी तौसीफ अहमद के क्यारा ब्लॉक में आगमन पर महिला शिक्षक संघ ने बृहस्पतिवार को स्वागत-सम्मान समारोह आयोजित किया । इस मौके पर शिक्षकों ने उनका स्वागत करते हुए पटका, तुलसी के पौधे एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।इस दौरान रेनू गुप्ता(ब्लॉक अध्यक्ष क्यारा), संतोष मिश्रा(महामंत्री), सहित रीनू रानी, सीमा रानी, रेखा रानी, पुष्पा जोशी, निशी यादव, रोली गुप्ता, कामिनी चौहान, मीनाक्षी, प्रीती रानी, नीता जोशी , प्रियंका शर्मा रॉबिन मेघा जौहरी, दुष्यंत कुमार, श्याम , प्रमोद , बृजेश , एल. डी.शर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। खंड शिक्षा अधिकारी तौसीफ अहमद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षिक वातावरण तथा विभागीय कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

प्रेस अवकाश शेष होने तक वेतन न रोकने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मानव संपदा पोर्टल पर अवकाश उपलब्ध होने के बावजूद शिक्षकों और कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। बुधवार को जिलाध्यक्ष शिव स्वरूप शर्मा के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबोधित ज्ञापन उप जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय कुमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि जब तक किसी शिक्षक अथवा कर्मचारी के मानव संपदा पोर्टल पर आकस्मिक अवकाश शेष है, तब तक अनुपस्थिति के आधार पर उसका एक दिन का वेतन अवरुद्ध न किया जाए। अनुपस्थिति की स्थिति में संबंधित शिक्षक-शिक्षिका के पोर्टल पर उपलब्ध अवकाश को समायोजित करने के निर्देश सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को जारी किए जाएं।संघ पदाधिकारियों ने कहा कि अवकाश उपलब्ध होने के बावजूद वेतन रोकने से शिक्षकों को अनावश्यक परेशानी होती है।

उन्होंने विभाग से इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर व्यवस्था को सरल बनाने की मांग की।ज्ञापन देने वालों में जिला मंत्री रोहित सिंह, कोषाध्यक्ष अज़रार हुसैन आगा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं फतेहगंज अध्यक्ष हरीश बाबू गंगवार, क्यारा ब्लॉक मंत्री डॉ. संजय शर्मा, शेरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विशेष गंगवार, जिला मीडिया प्रभारी संजय कुमार शर्मा, मझगवां अध्यक्ष बनवारी लाल राठौर, संगठन मंत्री जैनेंद्र भारद्वाज, उपाध्यक्ष डीएन मिश्रा, बिथरी अध्यक्ष देव कुमार पटेल, शेरगढ़ मंत्री चंद्रशेखर मिश्रा समेत करीब 50 शिक्षक मौजूद

20 सितंबर तक होगा गन्ने का बकाया भुगतान, डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस आयोजित हुआ। डीएम ने किसानों की शिकायतें सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। किसानों ने गन्ने के बकाया भुगतान का मुद्दा उठाया, जिस पर डीएम ने जिला गन्ना अधिकारी को 20 सितंबर 2026 तक भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। किसान सीताराम ने केसीसी ऋण पर मिलने वाली 3 प्रतिशत ब्याज छूट समय से न मिलने की शिकायत की, जिस पर अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं ओवरहेड टंकी से प्रदूषित जलापूर्ति की शिकायत पर संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. रंजीत सिंह ने उन्नत खेती और फसलों को रोगों से बचाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 28 से 30 सितंबर तक आईवीआरआई इज्जतनगर में मधुमक्खी पालन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने विभागीय योजनाओं और किसानों को मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी। ने कहा कि अगले किसान दिवस में पहले पिछली शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा होगी, इसके बाद किसानों की नई समस्याएं सुनी जाएंगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला महाजनान वार्ड संख्या-02 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-191 जो गृहकर अभिलेखों में श्री रघुनाथ सहाय पुत्र श्री किशन सहाय निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है पर श्री हेमन्त सहाय पुत्र श्री रघुनाथ सहाय निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन को गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 13/08/2025 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ वारिसान प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं शपथ पत्र संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	191	महाजनान	श्री रघुनाथ सहाय पुत्र श्री किशन सहाय	श्री हेमन्त सहाय पुत्र श्री रघुनाथ सहाय

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गणेश प्रतिमा पर फेंके ईंट-पत्थर , एक हिरासत में

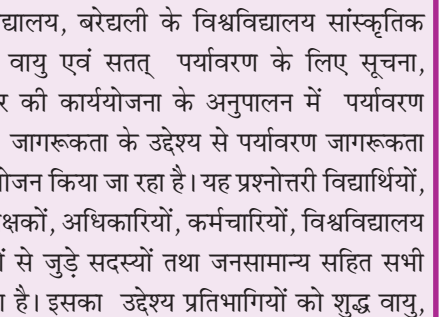

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में गणेश प्रतिमा पर पथराव का मामला सामने आया है। जाटपुरा स्थित भीम द्वार पर स्थापित गणेश प्रतिमा पर ईंट-पत्थर फेंके गए, जिसमें एक बच्चा घायल हो गया। घटना बुधवार की सुबह करीब 10 बजे हुई। स्थानीय लोगों ने सोहन पाल नाम के एक युवक पर गणेश प्रतिमा की ओर ईंट-पत्थर फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस की हिरासत में आरोपी पथराव के दौरान एक छोटे बच्चे को चोट लगने की जानकारी मिली है। बच्चे का मेडिकल जांच भी कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौक पर पहुंची और आरोपी सोहन पाल को हिरासत में लेकर प्रेमनगर थाने ले गई। पुलिस ने कार्रवाई की दिया भरोसा घटना की जानकारी मिलने पर गणेश महोत्सव समिति के संस्थापक अनिल पाटिल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं सहित मौजूद स्थानीय लोगों को समझाया और पुलिस द्वारा सही कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद भीड़ शांत हो गई और लोग अपने घर चले गए।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को प्रश्नोत्तरी का आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेद्यली के विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा स्वच्छ वायु एवं सतत् पर्यावरण के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार की कार्ययोजना के अनुपालन में पर्यावरण संरक्षण एवं जन- जागरूकता के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रश्नोत्तरी विद्यार्थियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से जुड़े सदस्यों तथा जनसामान्य सहित सभी के लिए रखी गया है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को शुद्ध वायु, शुद्ध जल, स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के महत्व से परिचित कराना तथा पर्यावरण संबंधी उनके ज्ञान को परखने और बढ़ाने का अवसर प्रदान करना है। इसके साथ ही वायु एवं जल प्रदूषण को कम करने के उपायों, पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत एवं सामूहिक भूमिका, तथा सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना भी इस प्रश्नोत्तरी का प्रमुख उद्देश्य है। इस संबंध में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय ने बताया कि स्वच्छ वायु एवं सतत् पर्यावरण के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार की कार्ययोजना के अनुपालन में विविध गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन सत्र पर्यन्त किया जाना है। इसी क्रम में आज पर्यावरण संरक्षण जागरूकता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया है। इसके माध्यम से प्रतिभागी अपने पर्यावरण संबंधी ज्ञान की जांच करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों एवं व्यवहारिक उपायों को भी समझ सकेंगे। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे प्रश्नोत्तरी में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करें, अपने ज्ञान में वृद्धि करें और प्राप्त जानकारी को परिवार, समाज एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाकर पर्यावरण जागरूकता के विस्तार में योगदान दें। उन्होंने कहा-आइए, हम पर्यावरण के प्रति केवल अपने ज्ञान को न परखें, बल्कि यह संकल्प भी लें कि स्वच्छ पर्यावरण हमारी आवश्यकता ही नहीं, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

18 सितंबर से चुनावी हलचल तेज, 24 तक नामांकन; 13 अक्टूबर को वोट, 15 को खुलेगा परिणाम का पिटारा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नगर पंचायत के रिक्त सदस्य पदों पर उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) अविनाश सिंह ने चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। न्यायालय के स्थगन आदेश वाले रिक्त पद उपचुनाव के दायरे से बाहर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 से 24 सितंबर तक सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन होंगे। 25 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच, 28 सितंबर को नाम वापसी और 29 सितंबर को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। 13 अक्टूबर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान तथा 15 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से मतगणना होगी। नामांकन से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया तहसील सदर मुख्यालय पर संपन्न कराई जाएगी। सार्वजनिक अवकाश के दिन भी संबंधित कार्यालय निर्धारित समय के अनुसार खुले रहेंगे।

संकुल शिक्षक बैठक में समग्र प्रगति कार्ड व समझ आधारित शिक्षण पर चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। प्राथमिक विद्यालय सहोड़ा खुर्द, न्याय पंचायत फैजनगर में संकुल स्तरीय शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षकों की शैक्षणिक समझ को मजबूत करने तथा बच्चों के सीखने को प्रभावी, समझ आधारित और गतिविधि-केंद्रित बनाने पर जोर दिया गयाबैठक में समग्र प्रगति कार्ड भरने की प्रक्रिया, पठन एवं गणित में 'क्यों' और 'कैसे' आधारित प्रश्नों के प्रयोग तथा सेवा संकल्प अभियान पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों को बच्चों को केवल उत्तर देने के बजाय अपनी सोच, तर्क और समझ व्यक्त करने के अवसर देने के लिए प्रेरित किया गया। (LLF) के जिला अकादमिक समन्वयक हनुमान सैनी एवं ब्लॉक अकादमिक समन्वयक सुंदर लाल ने पठन और गणित में 'क्यों-कैसे' आधारित प्रश्नों के महत्व और कक्षा-कक्ष में उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी उदाहरण सहित दी।
बैठक में न्याय पंचायत अधिकारी राम निवास, एआरपी फहिम अहमद, शिक्षक संकुल सदस्यों सहित न्याय पंचायत फैजनगर के शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए। बैठक के माध्यम से बच्चों में समझ, तर्क, चिंतन और अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुआ किसान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें- कृषि, ऊर्जा, पशुपालन, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान विभाग आदि से जुड़े हुए समस्त अधिकारी उपस्थित रहें किसान दिवस प्रारम्भ करते हुए उप कृषि निदेशक बदायूँ ने समस्त कृषक एवं अधिकारियों का स्वागत किया, साथ ही समस्त किसान भाइयों को फार्मर रजिस्ट्री कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया तथा अपील की कि समस्त किसान भाई फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा ले।,वर्तमान समय कृषि विभाग में रबी सीजन में बोने के लिये तिलहन योजनान्तर्गत सरसों एवं दलहन योजनान्तर्गत मटर, मसूर एवं चना के मिनीकिट 50 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त करना चाहते है वह किसी भी अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र बुकिंग कर सकते है चयन होने के उपरान्त ही मिनीकिट राजकीय कृषि बीज भण्डार से प्राप्त कर सकेगें। श्री नरब्रेश सिंह निवासी ग्राम-करौलिया द्वारा बिजली की समस्या रखी जिस सम्बन्ध में अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-बदायूं द्वारा अवगत कराया कि करौलिया पावर हाउस को सही कराने का प्रस्ताव पास हो गया है। डा0 प्रदीप कुमार वर्मा ज्येष्ठ निरीक्षक द्वारा कृषक भाईयों को गन्नें की प्रजातियों एवं गन्ना सर्वे के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही कृषको के गन्ना का रूका भुगतान जल्दी-जल्दी कराने का भी अश्वासन दिया। श्री शिशुपाल सिंह ग्राम दबरई द्वारा अवगत कराया कि हमारे मकानों के ऊपर से ग्यारह हजार की लाईन जा रही है जिसका सहायक अभियन्ता विद्युत द्वारा सर्वे परीक्षण कर लिया गया है परन्तु अभी तक स्टीमेंट तैयार नहीं किया गया जिससे लाईन को हटाया जा सके जबकि ऑधी-तूफान में विद्युत लाईन के गिरने का भय रहता है जिस सम्बन्ध में अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-बदायूं द्वारा बताया गया है कि यह स्टीमेंट तैयार करा लिया जायेगा जिसका खर्चा आपको स्वयं जमा करना होगा। किसान भाईयों ने पशुओं के गला घोटू, मुहॅ पका, खुरपका के टीकाकरण की समस्या रखी जिस सम्बन्ध में डा0 धर्मेन्द्र कुमार उप मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया की गला घोटू व मुहॅ पका खुरपका एवं एल0एच0डी0/लम्पी बीमारी का टीकाकरण किसान भाईयों के घर-घर जाकर पशुओं को नि: शुल्क अभियान चलाकर किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा किसान दिवस में उपस्थित समस्त अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया।, अन्त में उप कृषि निदेशक बदायूँ द्वारा किसान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं किसान बन्धुओं का आभार व्यक्त करते हुए किसान दिवस के समापन की घोषणा की गयी

बरेली दंगा केस में पुलिस का बड़ा एक्शन, मुख्तियार और रफीक गिरफ्तार, अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आए

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। 26 सितंबर 2025 को बरेली में हुए दंगे से संबंधित थाना कोतवाली में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे दो आरोपियों को कैंट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर 16 सितंबर को थाना इज्जतनगर क्षेत्र के फरीदपुर चौधरी गांव के पास खाली मैदान से रफीक बेग (58) और मुख्तियार अहमद उर्फ मुन्नार अहमद (58) को सुबह 8ः35 बजे गिरफ्तार किया गया । दंगा मुकदमे में 66 आरोपी प्रकाश में पुलिस के अनुसार 26 सितंबर 2025 की घटना के संबंध में थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 489/2025 दर्ज है। विवेचना के दौरान अब तक 66 आरोपियों के नाम प्रकाश में आ चुके हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई चल रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपी भी इसी मुकदमे में प्रकाश में आए थे। रफीक पर कई मुकदमे, मुख्तियार का भी आपराधिक इतिहास पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रफीक बेग के खिलाफ कोतवाली, प्रेमनगर, किला और बारादरी थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मुख्तियार अहमद उर्फ मुन्नार अहमद के खिलाफ इज्जतनगर थाने में वर्ष 2004 और 2014 के मुकदमों के अलावा 2025 के दंगा संबंधी मुकदमे भी दर्ज हैं। पूछताछ में बैठक और भीड़ जुटाने का खुलासा- ,पुलिस के अनुसार पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि 19 सितंबर 2025 को नासिर की बैठक से शुरू हुई मीटिंग बाद में बेग मैरिज हॉल में हुई थी। पुलिस के मुताबिक करीब 100 से 150 लोग बैठक में मौजूद थे। आरोपियों ने कथित तौर पर 26 सितंबर को बरेली शहर में हुई घटना के संबंध में बैठक में योजना बनाए जाने और घटना वाले दिन भीड़ के साथ इस्लामिया ग्राउंड की ओर जाने की बात स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि दोनों से घटना से संबंधित वीडियो दिखाकर कुछ अन्य लोगों की पहचान और पुष्टि कराई गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस लाइन ग्राउंड पर उत्तरी जोन बालक एथलेटिक्स में 7 स्कूलों के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। रिजर्व पुलिस ग्राउंड में आयोजित उत्तरी जोन बालक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने ट्रैक और फील्ड पर जबरदस्त दमखम दिखाया। सात स्कूलों के बीच हुए कड़े मुकाबले में अंडर-14 वर्ग में विष्णु इंटर कॉलेज ने बाजी मारी, जबकि अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरा। ?अंडर-14ः 100 व 200 मीटर दौड़ में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के अब्दुल सारिक पहले व विष्णु कॉलेज के अमित दूसरे स्थान पर रहे। 600 मीटर दौड़ में विष्णु कॉलेज के वंशी ने पहला व माधव ने दूसरा स्थान पाया। ?अंडर-17ः 100 मीटर में मनोहर भूषण के सहजिल प्रथम व गुलाब राय के नंदकिशोर द्वितीय रहे। 400 मीटर में सहजिल प्रथम व अनमोल द्वितीय रहे। 800 मीटर में मनोहर भूषण के हिमांशु प्रथम व केडीएम के गौरव द्वितीय रहे। भाला फेंक में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के अभिषेक कुमार अव्वल रहे। ?अंडर-19ः 100 मीटर में गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के आदिल प्रथम व सचिन द्वितीय रहे। 200 मीटर में केडीएम के अतुल यादव व 400 मीटर में मनोहर भूषण के अंकित यादव पहले पायदान पर रहे। 1500 मीटर दौड़ केडीएम के प्रांजल ने जीती। फील्ड स्पर्धा में मनोहर भूषण के आदित्य सिंह ने गोला फेंक और चक्का फेंक दोनों में पहला स्थान हासिल कर दबदबा बनाया। ?जोन प्रभारी व विष्णु इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने सभी विजेताओं को सम्मानित कर जिला स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन का आह्वान किया। शारीरिक शिक्षक विजय यादव ने बताया कि चयनित छात्र जिला स्तरीय मीट में जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान जिला क्रीड़ा सचिव नईम अहमद, विजय रतन सिंह, गौरव वशिष्ठ, आदेश सिंह, विकास गंगवार व डॉ. अजीत कुमार मौजूद रहे।

गणेश जी की सच्ची पूजा केवल, फूल, दीप और प्रसाद से नहीं, बल्कि उनके गुणों को जीवन में अपनाने से होती है- ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी

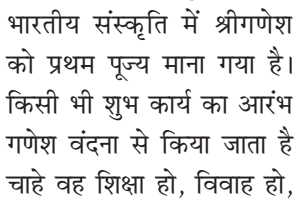

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवाकेंद्र द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा कि जब हम श्रद्धा से गणेश जी की मूर्ति का अवलोकन करते हैं तो उसमें निहित प्रतीकों को समझना चाहिए। उनका प्रत्येक अंग, प्रत्येक मुद्रा और उनका वाहन हमें जीवन जीने की एक नई शिक्षा देता है। यदि इन संदेशों को हम अपने आचरण में उतार लें, तो जीवन अधिक संतुलित, शांत और सफल वन सकता है। गणेश जी का विशाल मस्तक हमें यह सिखाता है कि मनुष्य की सोच सीमित नहीं होनी चाहिए। जो व्यक्ति व्यापक दृष्टिकोण रखता है वही सही निर्णय लेने में सक्षम होता है।विशाल मस्तक उदारता, समझदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। गणेशजी के बड़े कान यह संकेत देते हैं कि हमें अधिक सुनना और कम बोलना चाहिए। बड़े कान धैर्य और ग्रहणशीलता के महत्व को रेखांकित करते हैं।छोटी आँखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि गणेश जी की छोटी आँखें यह दर्शाती हैं कि जीवन में सफलता के लिए एकाग्रता अनिवार्य है। जो मन हर दिशा में भटकता है, वह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाता। छोटी आँखें यह भी सिखाती हैं कि बाहरी आकर्षण से अधिक महत्वपूर्ण आंतरिक सत्य है। गणेशजी की सूंड अत्यंत विशिष्ट है। वह शक्तिशाली भी है और कोमल भी। वह बड़े से बड़े कार्य को भी सम्पन्न कर सकती है। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा की भारतीय संस्कृति में श्रीगणेश को प्रथम पूज्य माना गया है। किसी भी शुभ कार्य का आरंभ गणेश वंदना से किया जाता है चाहे वह शिक्षा हो, विवाह हो, गृह प्रवेश हो, या किसी नये व्यवसाय की शुरुआत। इसका अर्थ केवल धार्मिक परम्परा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का एक गहन संदेश भी देता है कि सफलता के लिए केवल बाहरी साधन पर्याप्त नहीं होते। उसके लिए बुद्धि, विवेक, धैर्य, आत्मसंयम और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक हैं। गणेशजी का स्वरूप इन्हीं गुणों का प्रतीक है। गणेश का एक दाँत त्याग का प्रतीक माना जाता है। गणेश का विशाल पेट समाने का प्रतीक है बल्कि यह जीवन की हर स्थिति को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक है। सुख हो या दुःख, प्रशंसा हो या आलोचना, सफलता हो या असफलता इन सभी को समान भाव से स्वीकार करना ही परिपक्वता है। गणेश का वाहन चूहा अत्यंत गहन संदेश देता है। चूहा आकार में छोटा होते हुए भी हर स्थान में प्रवेश कर सकता है। गणेश की चार भुजाएँ जीवन के चार महत्वपूर्ण पक्षों मन, बुद्धि, कर्म और संस्कार के संतुलन का प्रतीक हैं। उनके हाथों में अंकुश, पाश, मोदक और वरद मुद्रा हमें अलग-अलग शिक्षाएं प्रदान करते हैं। अंकुश-मन को नियंत्रित करने का प्रतीक है, पाश-अनुशासन का, मोदक-आत्मिक आनंद का और वरद मुद्रा-करुणा और आशीर्वाद का।गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, किंतु इसका अर्थ केवल बाहरी बाधाओं को दूर करना नहीं है। वे हमारे भीतर के व्यसन, अहंकार, क्रोध, लोभ, भय, आलस्य और भ्रम को समाप्त करने की प्रेरणा देते हैं। जब मन शुद्ध होता है और बुद्धि निर्मल होती है, तब जीवन का मार्ग स्वतः सरल होने लगता है। गणेश जी की सच्ची पूजा केवल, फूल, दीप और प्रसाद से नहीं, बल्कि उनके गुणों को जीवन में अपनाने से होती है। यदि हम व्यापक सोच, धैर्य, एकाग्रता, विवेक, आत्मसंयम और सेवा भाव को अपनाएँ, तो हमारे जीवन के विघ्न दूर होंगे। यही गणेश का आध्यात्मिक रहस्य है।

संक्षिप्त समाचार

नवागत एडीएम ई कार्यभार संभाला

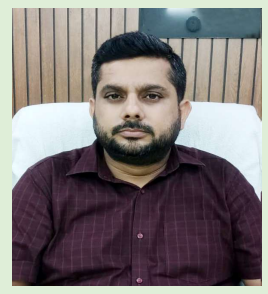

क्यूँ न लिखूँ सच /आज जनपद बदायूं में मानवेन्द्र सिंह ने 15 सितम्बर को जनपद बदायूँ में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वह वर्ष 2019 बैच के पी सी एस अधिकारी हैं। मानवेन्द्र सिंह इससे पूर्व जनपद एटा एवं सहारनपुर में विभिन्न पदों पर कार्यरत रह चुके हैं। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि जनपद में प्रशासनिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा उनके कार्यभार ग्रहण करने पर कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

थाना सिविल लाईन पुलिस नें एक अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में तथा प्रभारी निरिक्षक थाना सिविल लाईन की अगुवाई में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा आज संदिग्ध वाहन व व्यक्तियो की चैकिंग के दौरान रेलवे लाइन पर बनी पुलिया के पास से अभियुक्त दीपक मिश्रा पुत्र बृजलाल मिश्रा नि0 ग्राम मौहम्मद गंज थाना कादर चौक जिला बदायूँ को एक अदद नाजायज देशी तमंचा 12 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना सिविल लाइन पर मु0अ0स0 326/26 धारा 3/25(1-B)(a) आर्म्स एक्ट बनाम दीपक पंजीकृत किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

हिस्ट्रीशीटर लल्ला ने सपा जिला सचिव पवन यादव को मारी थी गोली, पुलिस ने चार को पकड़ा

सपा नेता पवन यादव हत्याकांड मामले में पुलिस ने गांव के ही हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और बाइक भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस शाम तक मामले का खुलासा कर सकती है।हंडिया में सपा के जिला सचिव पवन यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर समेत चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। चारों आरोपी गांव के ही बताए जा रहे हैं। एक आरोपी गांव के प्रधान का पति भी बताया जा रहा है। जांच में पता चल रहा है कि हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पवन यादव को गोली मारी थी। जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला हंडिया थाना क्षेत्र के मुगरांव का ही रहने वाला है। उसके खिलाफ जिले के कई थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट सहित कई संगीन धाराओं में दर्जनभर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार गोली लल्ला ने ही चलाई थी। बाइक पर उसके साथ गांव के ही निहाल अली और बृजेश यादव बताए जा रहे हैं। आरोपियों के कब्जे बाइक और हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले का खुलासा बुधवार शाम तक कर सकती है। बुधवार सुबह से ही एसआरएन अस्पताल परिसर में स्थित पोस्टमार्टम हाउस में हंडिया, सिविल लाइंस समेत कई थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही। साथ ही बड़ी संख्या में सपा नेता और हंडिया क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चौथा आरोपी गांव की महिला प्रधान का पति विनोद यादव बताया जा रहा है। इससे भी पवन यादव की रंजिश चल रही थी।पुलिस जांच में सामने आया कि मूलरूप से भदोही निवासी जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला से पवन यादव की पुरानी रंजिश थी। जितेंद्र वर्ष 2022 में हत्या के एक मामले में जेल गया था। जितेंद्र को पवन पर उसकी मुखबरी करने का संदेह था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। वारदात के समय बाइक सवार तीन बदमाशों में से एक का हुलिया जितेंद्र यादव से मिलता-जुलता बताए जाने के बाद पुलिस का शक इस दिशा में भी गया।हैहंडिया में मंगलवार शाम बाइक सवार नकाबपोश तीन बदमाशों ने समाजवादी पार्टी गंगापार के जिला सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव (50) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात हंडिया थाने से महज 500 मीटर दूर कर्मनाशा मोहल्ले में हुई। गोली पवन की पीठ में लगी। गंभीर हालत में उन्हें कई अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

भारतीय किसान संघ का प्रदेशव्यापी : ज्ञापन दिवस पर त्योंदा में 17 व 37 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ त्योंदा। पूरे मध्य प्रदेश में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित प्रदेशव्यापी %ज्ञापन दिवस% के तहत 15 सितंबर को तहसील कार्यालय त्योंदा में किसानों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। संघ के पदाधिकारियों एवं सैकड़ों किसानों की उपस्थिति में देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार आनंद जैन को सौंपा गया। ज्ञापन पत्र में संघ ने उल्लेख किया कि भारतीय किसान संघ एक गैर-राजनीतिक राष्ट्रवादी संगठन है, जो सदैव किसानों के हित संवर्धन के लिए कार्यरत है। संघ ने विदेशी डेयरी उत्पाद और जीएम फसलों को देश में आने से रोकने के लिए सरकार का धन्यवाद भी जताया, साथ ही अपनी प्रमुख मांगों को पटल पर रखा- प्रधानमंत्री के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन (मुख्य बिंदु)- कृषि आदानों और कृषि यंत्रों से जीएसटी को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। सभी फसलों का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जाए। कृषि उत्पादों की आयात-निर्यात नीति किसान हितैषी हो; जब किसान की फसल पककर बाजार में आए, तब आयात न किया जाए।

कृषि कार्यों में लगने वाले यंत्रों, रासायनिक दवाइयों तथा बीज पर जीएसटी की दर न्यूनतम की जाए। किसी भी कीमत पर जीएम फसलों बीजों को भारत में प्रवेश की अनुमति न दी जाए। भूमि अधिग्रहण कानून में केवल विकास योजनाओं एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर ही अधिग्रहण हो तथा पूरे देश में समान कानून लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री के नाम 37 सूत्रीय ज्ञापन- वर्तमान में सोयाबीन अपहलन एवं उड़द की फसल नष्ट हो गई है जिसे शीघ्र सर्वे करा कर बीमा एवं मापजा दिलाया जाए डीएपी खाद का कोटा त्योंदा ब्रांच की सभी सोसाइटियों में बढ़ाया जाए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्योंदा में नर्सिंग स्टाफ बढ़ाया जाए सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, कृषि हेतु निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्थानीय मंडियों में व्यवस्था सुधार जैसी 37 स्थानीय व प्रादेशिक मांगें शामिल रहीं।प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन जनहितैषी मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए । ज्ञापन प्राप्त कर तहसीलदार आनंद जैन ने इसे तुरंत उच्च अधिकारियों व संबंधित कार्यालयों तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

प्रमुख पदाधिकारियों एवं किसानों की रही गरिमामय उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी, जिला सह मंत्री रितेश जैन तहसील अध्यक्ष प्रीतम सिंह राजपूत, तहसील मंत्री माधव प्रसाद दुबे, उपाध्यक्ष शरद शर्मा, सह मंत्री विजय सिंह राजपूत, सह मंत्री भूपेंद्र सिंह कुर्मी, बृजेश राजपूत भगवान सिंह जरिया अनुज पटेल शेर सिंह पटेल सत्येंद्र दांगी अरविंद गुर्जर नेतराम पटेल जगदीश यादव और खचोरी लाल सहित क्षेत्र के अनेक किसान भाई उपस्थित रहे।

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर डीएम समीर सख्त, 24 से 48 घंटे में बदलें खराब ट्रांसफार्मर

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ जर्जर तार-पोल व खुले ट्रांसफार्मरों पर तत्काल बैरिकेडिंग के निर्देश, अधिक शिकायत वाले क्षेत्रों को जेई-एई चिन्हित कर सुनिश्चित करें प्रभावी कार्रवाई जनपद में निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारी समीर ने वर्चुअल कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों, उपभोक्ता शिकायतों तथा विद्युत सुरक्षा से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्युत व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मर 24 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से बदले जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने वाले स्थानों को चिन्हित कर विद्युत लोड का परीक्षण कराया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार क्षमता वृद्धि करते हुए उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाए जाएं, ताकि बार-बार होने वाली विद्युत बाधा को कम किया जा सके। उन्होंने जेई एवं एई को अपने-अपने क्षेत्रों में विद्युत संबंधी अधिक शिकायतों वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर उनकी नियमित समीक्षा करने तथा शिकायतों के बार-बार आने के कारणों का पता लगाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां केवल शिकायतों का निस्तारण ही नहीं बल्कि समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी कार्य किया जाए। संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, विद्युत कार्य के लिए शटडाउन लिया जाता है तो इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को पहले से विधिवत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के फोन समय से रिसीव करने तथा विनम्र व्यवहार के साथ समस्या की सही जानकारी एवं समाधान का स्पष्ट समय बताने के निर्देश दिए। विद्युत सुरक्षा को लेकर भी जिलाधिकारी ने विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने जर्जर विद्युत तारों, क्षतिग्रस्त पोलों तथा खुले में स्थापित ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने तथा सभी संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से जन एवं पशुहानि की संभावना को समाप्त किया जा सके। जिलाधिकारी ने 'झटपट पोर्टल' पर प्राप्त उपभोक्ता आवेदनों का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग उपभोक्ताओं की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए आवश्यकता पड़ने पर उनके घर पहुंचकर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 1912 के साथ मोबाइल नंबर 7318124866 एवं 8004912655 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्युत संबंधी शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर समय रहते उनका समाधान कराया जा सके। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह, अधिशाषी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी, योजनाओं का लाभ समय से जनता तक पहुंचाएं - डीएम समीर

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ जिलाधिकारी समीर की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में विकास कार्यों एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न सूचकांकों की विभागवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग अपेक्षाकृत कम है, वे तत्काल अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केवल लक्ष्य प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा में उन्होंने जनपद में विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखने तथा अनावश्यक विद्युत बाधाओं का प्रभावी समाधान करने को कहा। स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई को और बेहतर बनाने तथा नियमित निगरानी पर जोर दिया। वहीं राजस्व विभाग के अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने एवं भूमि संबंधी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय आंकड़ों के अद्यतन एवं उनकी शुद्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि डैशबोर्ड पर दर्ज आंकड़े शासन स्तर पर जनपद के कार्यों की प्रगति को प्रदर्शित करते हैं। इसलिए प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर सही, अद्यतन एवं पारदर्शी डाटा समय से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पात्र लोगों तक बिना अनावश्यक विलंब के पहुंचे। विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा कर कमियों को समय रहते दूर किया जाए, ताकि जनपद की विकास प्रगति को और गति प्रदान की जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.एन. प्रसाद, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आज से शुरू होगा भाजपा का 'सेवा संकल्प अभियान', 17 अक्टूबर तक होंगे सेवा और जनभागीदारी के कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा और समर्पण के 25 वर्ष = सेवा संकल्प अभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान जिले में रक्तदान, स्वच्छता अभियान, सामाजिक सहभागिता, प्रतियोगिताओं और विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला भाजपा अध्यक्ष जसवंत जाटव ने बताया

कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी लोगों तक पहुंचाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प में जनभागीदारी बढ़ाने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक लवलेश जैन ने सेवा गतिविधियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की बात कही। 17 सितंबर को रक्तदान और 'आशीर्वाद का दीया'- अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को सेवा दिवस एवं रक्तदान शिविर के साथ होगी। शिवपुरी में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे जिले के सभी बूथों पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें परिवार के साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन में सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', 'सेवा मेरा योगदान' और 'सेवा सेतु' जैसे कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम और कार्यकर्ताओं के सम्मान का आयोजन किया जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर उन्हें सफल बनाने की अपील की है।

आबादी के बीच लगाए जा रहे टाबर निर्माण का स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी। बुधवार को कस्बा के मोहल्ला माली में आबादी के बीच लगाए जा रहे टाबर निर्माण का स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया।निर्माण कर रहे मजदूरों से फावड़ा और मसाला ढोने की परात छिन ली।जिसके चलते प्लाट मालिक और मोहल्ले वासियों के बीच खूब हॉट टॉक हुई। विरोध प्रदर्शन कर रहे मोहल्ले वासियों की अगुवाई कर रहे सुनील कुमार ने बताया मोहल्ले में मूलता थाना मीरगंज के गांव श्यामपुर निवासी महावीर सिंह का खाली प्लॉट पड़ा है।जिसमें एयरटेल कंपनी का टावर लगाया जा रहा है।बुधवार को प्लॉट में निर्माण शुरू हुआ तब मोहल्ले के लोगों को टावर लगने की जानकारी हुई।बताया आबादी के अंदर नहीं बल्कि आबादी से दूर टावर लगने का नियम है।टावर से लोगो को शारीरिक और मानसिक दोनों तरफ से नुकसान होता है।अधिक ऊंचाई होने के कारण आंधी तूफान के समय भी खतरा बना रहता है।इसीलिए मोहल्ले के लोग विरोध कर रहे है।कहा किसी भी हालत में वह टावर नहीं लगने देंगे।बृहस्पतिवार को सभी मोहल्ले के लोग एसडीएम निधि शुक्ला से मिलकर टावर निर्माण रोकने की मांग करेंगे।इस दौरान प्लॉट स्वामी महावीर और मोहल्ले के लोगों के बीच खूब हॉक टॉक हुई। टावर का विरोध करने वाले पड़ोसियों में सुनील कुमार, धीरू, चुन्नीलाल, भगवान दास मौर्य, ओमप्रकाश, रिंकू, राजवीर, सत्येंद्र, लीलाधर, बाबूराम, प्रेमवती, प्रेम देवी, सन्नो देवी, राजबाला, सरोज देवी, नेमवती, चांदनी, कमला आदि दर्जनों महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। सभी लोगों ने मिलकर मोहल्ले में टावर न लगाएं जाने का विरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश राज्य साइकिलिंग ट्रायल में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

क्यूँ न लिखूँ सच / सैयद सिकंदर राजा/ मुरादाबाद के सैयद खुर्शीद अली के परिवार ने साइकिलिंग में बनाई है ख़ास पहचान मुरादाबाद। साइकिलिंग के क्षेत्र में मुरादाबाद का नाम लगातार रोशन कर रहे

सैयद खुर्शीद अली के परिवार ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 13 सितंबर को ट्रांस गंगा सिटी के गेट नंबर दो के अंदर आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य माउंटेन बाइक एवं ट्रैक साइकिलिंग ट्रायल में मुरादाबाद से सैयद खुर्शीद अली के परिवार के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। खुर्शीद अली स्वयं नेशनल अवार्ड तक जीत चुके हैं। उनके परिवार से सैयद खालिद, वकी, मरदान अली और बुरहान अली भी साइकिलिंग में अपनी पहचान बना रहे हैं। ,ट्रायल में उत्तर प्रदेश पुलिस समेत प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट, मुरादाबाद, कानपुर देहात, मिर्जापुर, नोएडा, आगरा, मेरठ, सहारनपुर और अयोध्या आदि जिलों के करीब 55 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चली। प्रतियोगिता का उद्घाटन कानपुर ओलंपिक संघ के महासचिव एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रजत आदित्य दीक्षित और सीएसजेएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. आरपी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व आरके गुप्ता ने दोनों अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर स्वागत किया। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से नियुक्त अयोध्या के अवधेश कुमार विश्वकर्मा, पीसीपी कानपुर के ब्रजेश शुक्ला, मेरठ के एनआईएस कोच किरण कुमार पाल, नदीम अहमद, सुजीत कुमार, अमीर खान और आरके पंडित की देखरेख में ट्रायल संपन्न हुआ। ट्रायल के आधार पर राष्ट्रीय टीम की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

भाकियू टिकैत की मासिक बैठक संपन्न, बिजली-पानी और सफाई व्यवस्था के मुद्दों पर हुई चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। विकासखंड डिलारी के सभागार में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या, पानी और साफ सफाई की व्यवस्था और किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं पर पदाधिकारियों एवं किसानों ने अपने विचार रखे। इसके साथ ही विकासखंड डिलारी के कई गांवों में सफाई व्यवस्था ठीक न होने का मुद्दा भी उठाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी मास्टर बलराम सिंह चौहान, तहसील अध्यक्ष वाहिद अली, डिलारी ब्लॉक अध्यक्ष अनीस अहमद सहित भारतीय किसान यूनियन टिकैत के अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

कृषि विभाग की समीक्षा में लापरवाही पर सख्ती, दो अधिकारियों की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग बैठक में कार्यों पाए जाने पर जिला अर्पित वर्मा ने विकास की एक-एक वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। वहीं शिवपुरी विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आर.पी. पचौरी को पद से हटाने के निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में अनुपस्थित 11 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विकासखंडवार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन एवं पॉलीगन का कार्य भी आगामी दो दिनों में शत-प्रतिशत पूरा करने को कहा गया। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण दो दिन में निपटाने के निर्देश- समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कृषि विभाग से संबंधित लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर दो दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ,बैठक में उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य, जिले के सभी विकासखंडों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

How to keep parents active and happy after retirement? These simple ways will alleviate their loneliness.

To alleviate the emptiness and sadness of parents after retirement, it's important to keep them active and happy. Retirement is a major turning point in life. Years of routine, work pressure, and office responsibilities suddenly end. Initially, this free time brings relief, but gradually turns into emptiness and sadness. So, if your parents have recently retired, they may be experiencing a similar feeling of emptiness. Children become busy with their work and lives, and parents begin to feel isolated. However, with a little effort, you can make your parents active and happy again. Let's ways to keep parents active and happy learn after retirement. Encourage new hobbies. Due to work pressure, people often leave their hobbies behind. After retirement, there's time to re-engage in those lost hobbies. Pay attention to your parents' hobbies. Gardening, for example, brings peace to the mind and keeps them physically active. If your parents enjoy reading, you can join a book club. Similarly, if they have a hobby like sewing or knitting, it also brings peace to the mind and keeps the mind active, which is crucial as they age. Digital literacy - Today is the digital age, and being away from technology can make seniors feel isolated. Therefore, digital literacy is crucial. Teach them how to operate a smart TV, make video calls, and use social media. This will help them connect with old friends and relatives, or listen to their favorite songs or watch movies. Connect with social communities - Socializing is essential to overcome loneliness. Encourage them to join a walk or yoga group in a nearby park. There, they will meet new people their age. Many senior citizen clubs also organize special events. If there's such a club near you, you can ask them to join. Involve them in decisions - With age, parents hand over household responsibilities to their children, but after retirement, it's important to make them feel as important as ever. To do this, include them in household decisions. Sit and talk with them for at least half an hour every day. Listen to their old stories or tell them one of your own. This will make them realize that they are important in your life.

A unique market for reuniting with old loves, husbands and wives come together for a special meeting with their exes.

A unique market for reuniting long-lost lovers. Beyond the numerous markets selling clothes, jewelry, decor, groceries, and vehicles, there's a market in the world where long-lost lovers reunite after years. Yes, we're talking about one such market for reuniting ex-lovers, renowned worldwide for reconciling unfulfilled loves. Vietnam's Love Market - Nestled among the northern hills of Vietnam, in Ha Giang Province, is a village that annually hosts a unique Love Market. This market isn't for clothes or household items, but for old lovers to meet each other. This place is known worldwide as the Khau Wai Love Market. In light of this, in 2021, the Vietnamese Ministry of Culture officially designated Khau Wai as a cultural heritage site. Meeting your ex isn't considered cheating. Husbands and wives arrive at this market together and then go to meet their old lovers. The most interesting thing is that meeting your ex in this way doesn't give rise to feelings of betrayal. This very feeling is breaking up many relationships today. It's viewed from a different perspective, and it's believed that there are some connections in life that deserve respect. When is this Love Market held? The Khau Vai Love Market is held annually in April and May. According to the Vietnamese calendar, it falls on the 27th day of the third month. This season marks the end of spring and the beginning of summer in the mountainous regions, when people are free from their traditional farming chores and reflect on themselves. What's the belief behind it? The Love Market isn't new; it's 100 years old, having been held since 1919. According to folklore, the story revolves around a young man named Ba from the Nung tribe and a young woman named Ut from the Giai tribe. Since Ba was a simple flute player and Ut was the daughter of the tribe's chieftain, they were unable to meet. They decided to meet in the Khau Wai Valley every year on the 27th day of the third month of the lunar calendar.

Is office politics affecting your mental health? Try these great tips to keep yourself safe.

Office politics and gossip can negatively impact mental health and productivity in a corporate work culture. Office politics and gossip are not uncommon in a corporate work culture, but if they become excessive, they can harm your mental health and productivity. A negative office environment can cause stress. Therefore, to avoid such situations in your workplace, you should keep a few things in mind. Let's learn how to protect yourself from office politics. Set professional boundaries: When colleagues gossip or speak ill of someone behind their back, don't engage in that conversation. If someone brings you gossip, change the topic without being rude. If they still share gossip, maintain a neutral response. Don't agree with anyone or make negative comments. Keep email records - Many colleagues try to take credit for your work and gossip about you because of it. The best way to avoid this is to record important instructions, project updates, and other information on email. This will help you remember your work in the future and help you better present your work to your boss. Separate professional and personal - It's good to be friendly with people in the office, but don't share details of your personal life with colleagues. You never know when your daily life, family problems, or future plans may become a topic of gossip. Therefore, keep your personal and professional life separate. Build a positive network - Not everyone in the office gets involved in gossip or politics. There are always some people who mind their own business and maintain a positive attitude. Include such colleagues in your network group. Take lunch breaks or chat with these people to help you feel positive. If you don't find such an environment inside the office, then reduce your stress by talking to your friends and mentors outside the office.

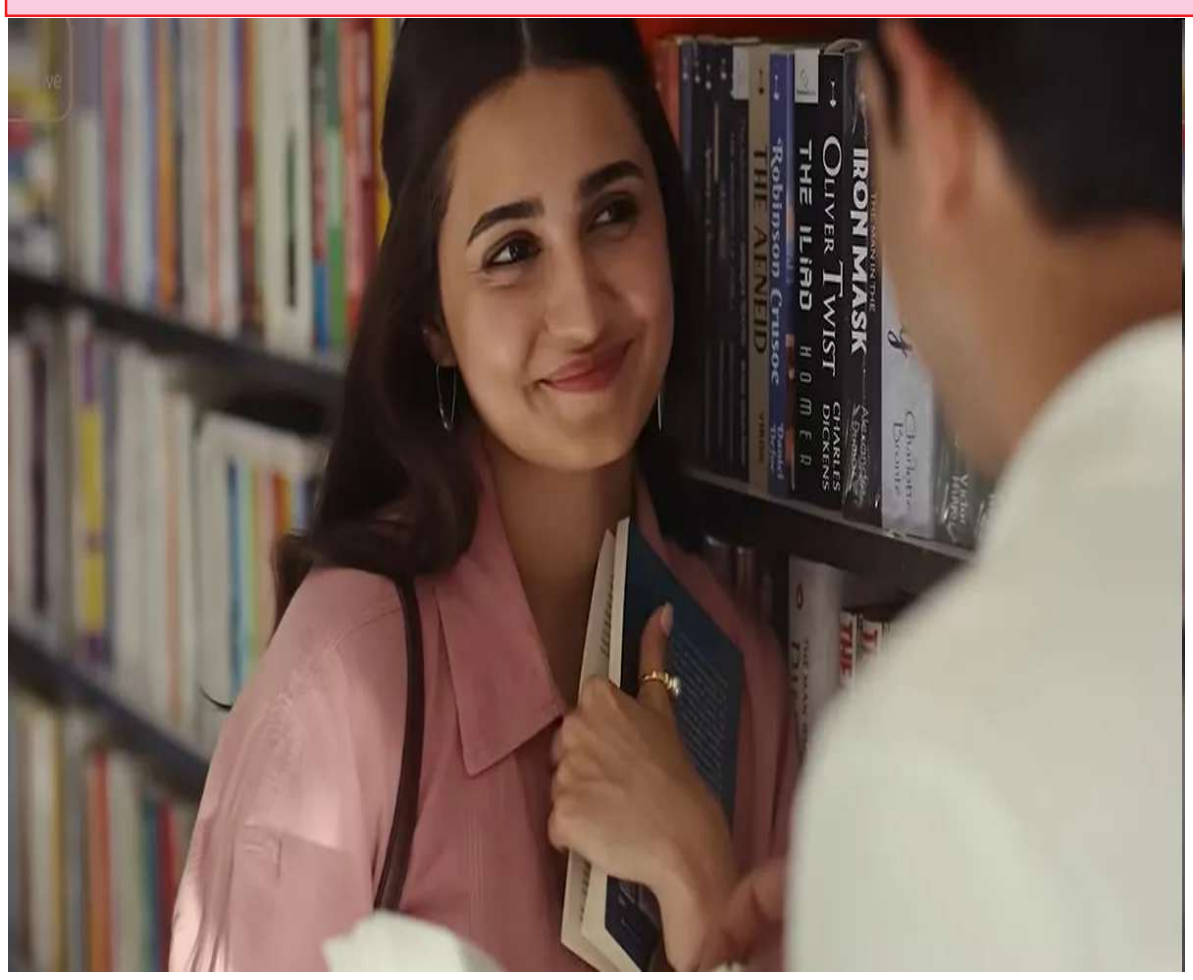

A romantic drama has been making waves on OTT platforms for two months, with the series receiving strong ratings on IMDb.

An 8-episode series released two months ago on OTT platforms is trending, receiving strong ratings on IMDb. The 8-episode series has been trending on OTT platforms for two months, and the series has received strong ratings on IMDb. Almost every week, a new series is released on OTT platforms, most of which make it to the trending list in their initial days. However, some series have been streamed months ago and have consistently dominated the trending list. One such series, released almost two months ago on OTT platforms, is still trending in the top 10. This romantic drama has been well-received by audiences and remains a must-watch. The series has received a strong rating of 7.6 on IMDb. The 8-episode series has made waves on Netflix in July and is still making waves on the OTT platform in September. The 8-episode series is based on a best-selling novel. "Musafir Cafe" is a modern-day story about the relationship between Sudha and Chander. Sudha is a free-spirited divorce lawyer, and Chander is a calm software engineer. An awkward meeting for an arranged marriage suddenly turns into a live-in relationship. However, their paths diverge, leading to the entry of a third character, Preeti. The series' fate in this love triangle will be revealed only after watching the series. Chander is played by Vikrant Massey, Sudha by Vedika Pinto, and Preeti by Mahima Makwana. About the Series: "Musafir Cafe," streaming on Netflix, consists of a total of 8 episodes. Vikrant Massey, Vedika Pinto, and Mahima Makwana play the lead roles. The series is based on Divya Prakash Dubey's best-selling Hindi novel, "Musafir Cafe." Musafir Cafe is directed by Ruchir Arun and written by Sharanya Rajagopal.

41 years ago, taxi drivers marched against a Doordarshan show; the lead actress had made it a household name.

41 years ago, this Doordarshan show gained popularity, but at one point, people protested against it. The show had made it a household name; people protested outside Doordarshan's office. This Doordarshan show aired 41 years ago. Doordarshan holds a unique place in the history of Indian cinema and broadcasting, as it was the first channel to air in India. It wouldn't be wrong to say that after radio, people relied on it for entertainment. Shows made it a household name - Many of the shows that aired on Doordarshan in its early days became household names. But did you know that there was a television show against which people even marched and protested outside Doordarshan's office, demanding an apology. What was shown in the show? "Rajni" was a memorable TV series that aired on Doordarshan in 1985, directed by Basu Chatterjee. It was India's first major TV show that focused on consumer rights and social work. The late Priya Tendulkar played the lead role in this popular show. Her role as a fearless middle-class housewife fighting government corruption made her a household name and a national heroine. Shah Rukh Khan's cameo: Future superstar Shah Rukh Khan and filmmaker Subhash Ghai made their debut in the series. The show's idea originally began with a character named "Lucy," but director Basu Chatterjee redesigned her to portray a middle-class female social activist who tackled everyday problems faced by the public. Taxi drivers marched: An episode of the show so deeply offended taxi drivers that they marched to Doordarshan's office and demanded an apology. In fact, an episode of the show depicted taxi drivers charging exorbitant fares and misbehaving with passengers. Taxi drivers protested and marched to Doordarshan's office due to the portrayal of their profession in a bad light. Title track sung by Asha Bhosle - Renowned playback singer Asha Bhosle sang the memorable title track of the show which perfectly captures the spirit of unwavering truthfulness of the show. About Rajni 'Rajni' was an Indian television series that aired on Doordarshan and was directed by Basu Chatterjee. It starred Priya Tendulkar in the lead role. The series became very popular for spreading awareness about lethargic government offices and officials. It was written by Karan Razdan and Anil Chaudhary, and its title track was sung by Asha Bhosle.

Ambulances outside theaters...women suffered miscarriages. The cursed film released 53 years ago claimed the lives of 20 people.

Fifty-three years ago, a film was released that is considered the world's most unlucky film. Many women suffered miscarriages after watching it, and ambulances were even stationed outside theaters. The most unlucky film of the century was released 53 years ago - people's screams echoed from inside the theaters - the film is available on this OTT platform. Whether comedy, action, or horror, films are generally made to entertain people, but can you imagine a film causing deaths? 53 years ago, a film was released that is still considered the world's most cursed film. Not only did major accidents occur during the making of this film, but upon its release, ambulances were stationed outside theaters. Read the story below about the world's most unlucky film. A fire broke out on the set of this ominous film on its very first day. The film we're referring to in this article, which continues to terrify people even after 53 years, is 1973's "The Exorcist," one of the world's most horrifying classics of the 20th century. The film was based on William Friedkin's 1969 novel of the same name. The novel became so popular at the time that Warner Bros. purchased the rights to the film and decided to make a film based on it. However, the director they offered the film to flatly refused, leaving William himself to direct the film. Shooting began in 1973, but on the very first day of shooting, a fire broke out on the set, resulting in the deaths of nine people. However, the film's makers were shocked when the entire set burned down, but not a spark flew in the room where the ghost scenes were being filmed. Close relatives of the crew members died one by one. The burning of the set halted filming for six weeks, but accidents continued. From Jack Magron, who played Burke Daginson, to Malia Rose, all died. Linda Blair, Max Forsaydou, and several other crew members, who played the lead roles in The Exorcist, died. Eleven people died one by one before the film's release, earning it the tag of the world's most cursed film. Pregnant women suffered miscarriages while watching the film. When The Exorcist screened in 1973, critics who came to see it fled after the terrifying scenes. The cursed film was released in only 24 theaters at the time. Word of mouth and stories about the film spread so widely that, despite the tragedy, people began lining up for tickets at 4 a.m. Even the police were unable to control the crowd, leading to widespread rioting. The screams of audiences watching the cursed film "The Exorcist" in theaters could be heard outside. It is said that many people suffered heart attacks while watching the film, and even pregnant women suffered miscarriages. The incidents were so severe that police vans and ambulances were stationed outside theaters. Many people became so mentally unstable after watching "The Exorcist" that they had to go to church and seek help from a priest. Friedkin himself recounted his eyewitness account: William Friedkin, the writer of "The Exorcist," said in an interview with the horror magazine "Castle of Frankenstein" that he didn't normally believe in witchcraft, but the events that unfolded on the film's set changed his perspective. If you haven't seen the film yet, it's available on Amazon Prime Video for 119 rupees.